प्रेस विज्ञप्ति / Press Release **26 नवंबर / November, 2019**

भारत में माइक्रोफाइनांस-विज़न को निरूपित किए जाने हेतु सिडबी द्वारा राष्ट्रीय माइक्रोफाइनांस कांग्रेस का आयोजन

SIDBI organizes National Microfinance Congress 2019 to envisage Vision of Microfinance in India

दीर्घकालिक संवृद्धि के लिए सुदृढ़ अभिशासन एवं विनियामक प्रथाओं के लिए आह्वान
Calls for strong governance and regulatory practices for sustainable growth

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकसित करने की प्रक्रिया में संलग्न शीर्ष वित्तीय संस्था, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने भारत में माइक्रोफाइनांस-विज़न के संबंध में विचारविमर्श करने और उद्विकासी विनियामक और आर्थिक परिदृश्य की सापेक्षता में सफलता प्राप्त करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय माइक्रोफाइनांस कांग्रेस-2019 का आयोजन किया। चूंकि यह क्षेत्र संबंधित साधन-स्रोतों के प्रति सीमित जागरूकता, वित्तीय साक्षरता के अभाव, ऋण-इतिहास और संपार्श्विक प्रतिभूति और इसके परिणामस्वरूप उच्च ब्याज दरों की पृष्ठभूमि में औपचारिक क्षेत्र से ऋण तक पहुँचने की अन्यान्य चुनौतियों का सामना करता रहा है। अतः माइक्रोफाइनेंस कांग्रेस ने इस उद्योग-विशेष के लिए दीर्घकालिक संवृद्धिशीलता की दृष्टि से सुदृढ़ अभिशासन एवं विनियामक प्रथाओं को अपनाए जाने का सुझाव दिया है।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the apex financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro and Small Enterprises (MSEs), organizes National Microfinance Congress – 2019 to deliberate on the Vision of Microfinance in India and means to achieve the same in the backdrop of an evolving regulatory and economic landscape. As the sector continues to face the challenges like gaining access to credit from formal sector owing to limited awareness of sources, lack of financial literacy, credit history and collateral and resultant high interest rates, it has been suggested by the Microfinance Congress for the industry to establish strong governance and regulatory practices for a sustainable growth path.

26 नवंबर से 27 नवंबर, 2019 तक होटल ट्राइडेंट, नरीमन पॉइंट, मुंबई में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में भारतीय रिज़र्व बैंक, माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस (एमएफआई), स्मॉल फाइनेंस बैंक (एसएफबी), बैंकों, नॉन-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफ़सी), डिजिटल लेंडर्स के साथ-साथ बहुपक्षीय एजेंसियों जैसे विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग (यूनाइटेड किंगडम) और केएफ़डबल्यू (जर्मनी) की ओर से भागीदारी की गई । माइक्रोफाइनेंस कांग्रेस द्वारा माइक्रोफाइनेंस से जुड़े पेशेवरों, शिक्षाविदों, अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों को एक मंच पर लाया गया है और विभिन्न तकनीकी सत्रों पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें सभी के लिए सस्ती उधारी के इर्द-गिर्द घूमते हुए, प्रत्येक बैंक सेवा से वंचित ग्राहक के दरवाजे तक पहुंचते हुए, डिजिटल माइक्रोफाइनेंस के लिए आगे का रास्ता, माइक्रोफाइनेंस के माध्यम से महिला सशक्तीकरण, भारत में उद्यमशीलता के परिदृश्य और माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र में उभरते जोखिमों को एकजुट किया गया।

The two-day event, held in Hotel Trident, Nariman Point, Mumbai from November 26 to November 27, 2019, witnessed participations from Reserve Bank of India, Microfinance Institutions (MFI), Small Finance Banks (SFBs), Banks, Non-Banking Financial Companies (NBFCs), Digital Lenders along with Multilateral Agencies like World Bank, Department for International Development (United Kingdom) and KfW (Germany). The Microfinance Congress has brought microfinance practitioners, academicians, international experts on a single platform and deliberated on various technical sessions revolving around affordable borrowing for one and all, reaching the doorstep of every unbanked customer, road ahead for digital microfinance, women empowerment through microfinance, mobilizing the entrepreneurial landscape and emerging risks in microfinance sector in India.

सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री मोहम्मद मुस्तफा, आईएएस, ने कहा, “भारतीय माइक्रोफ़ाइनेंस क्षेत्र - कम आय वाले परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने, उनके आर्थिक विकास के लिए ऋण प्रदान करने में और उनके समग्र सशक्तीकरण का मार्ग प्रशस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चूंकि भारत का लक्ष्य वर्ष 2025 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का है, अल्प वित्त उद्योग आर्थिक विकास को संचालित करने वाले लाखों निम्न-आय वाले परिवारों के जीवन को बेहतर बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। अल्पवित्त क्षेत्र के साथ सिडबी का जुड़ाव वित्तीय सहायता से लेकर अल्प वित्त संस्थाओं (एमएफ़आई) के क्षमता निर्माण और पूंजी आधार पर व्यापक दृष्टिकोण तक विस्तृत है। सिडबी के समर्थन से कुछ साझेदार एमएफआई परिपक्व होकर नए युग के एसएफबी / यूनिवर्सल बैंकों के रूप में रूपांतरित हुए हैं। सिडबी में हम बाजार स्थापित करने के अवसरों की खोज को जारी रखते हैं ताकि एक सुदृढ़ माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र का निर्माण किया जा सके। इस मंच के द्वारा हम सूक्ष्म उधारकर्ताओं को ऋण-तक-पहुंच से भी आगे के मुद्दों को व सूक्ष्म उधारकर्ताओं को बाजार दर से कम दरों पर ऋण उपलब्ध कराने से जुड़े मुद्दों को संबोधित करने की उम्मीद रखते हैं । यह कार्य साझेदारी मॉडल के माध्यम से सिडबी

की ओर से अंतिम लाभार्थियों को कम लागत वाले धन को प्रवाहबद्ध करने और इस उद्देश्य के लिए सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड्स के माध्यम से धन जुटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उद्योग का भावी मार्ग अभिकर्ताओं की नई साझेदारियों को बनाने, नए उत्पादों को विकसित करने, नए निवेश चैनल बनाने और उपभोक्ताओं की मांगों को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की क्षमता द्वारा निर्धारित किया जाएगा ।"

Shri Mohammad Mustafa, IAS, Chairman and Managing Director of SIDBI said, "Indian Microfinance sector plays an instrumental role in providing credit to the low-income households paving the way for their employment, economic development and overall empowerment. As India aims at becoming a $5 trillion economy by 2025, the Microfinance industry will play a leading role in uplifting the lives of millions of low-income households driving the economic growth. SIDBI's engagement with the Microfinance sector extends from, financial support, to the larger vision of building capacities and capital base of the MFIs. The association of SIDBI has supported the maturing of some of the partner MFIs into new age SFBs/ Universal Banks. At SIDBI we continue to explore the market making opportunities, to contribute towards building a robust Microfinance sector. In this forum we hope to address the issues beyond access to credit - credit to micro borrowers at rates below the market rates. This is being done by way of channelizing low-cost funds from SIDBI to the end beneficiaries through partnership models and exploring raising of funds for the purpose through Social Impact Bonds. The future course of the industry will be determined by the ability of the players to forge new partnerships, develop new products, create new investment channels and leverage technology to meet the demands of consumers."

सिड्बी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों (एमएसई) के जीवन को छुआ है, चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों; उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों। अधिक जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट https://www.sidbi.in/ पर जाएँ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements.
For more information, please visit: https://www.sidbi.in/

मीडिया संपर्क: नीलाश्री बर्मन, मोबाइल: +91 8879760249, ई मेल: neelasrib@sidbi.in
Media contact: Neelasri Barman, Mobile: +91 8879760249, E-mail: neelasrib@sidbi.in